नवसर्जन संस्कृति

RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 301
दि. 04.03.2026,
बुधवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

'बेफिक्र होकर कराएं इलाज', जनता दर्शन में सीएम योगी का बीमार लोगों को आर्थिक मदद का आश्वासन

(जीएनएस)।

गोरखपुर में जनता दर्शन के दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ ने 150 लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक मदद का आश्वासन देते हुए उन्होंने अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही जमीन कब्जा और दबंगई के मामलों में कड़ी कार्रवाई करने का भी आदेश दिया।

गोरखपुर में जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 150 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता मांगने आए लोगों को उन्होंने आश्वासन दिया और अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई का निर्देश दिया। उन्होंने जमीन कब्जा और दबंगई के मामलों में सख्त कार्रवाई करने के भी आदेश दिए। हर जरूरतमंदों को इलाज के लिए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से मदद दी जाएगी।

सीएम ने 150 लोगों की सुनी फरियाद

सीएम योगी आदित्यनाथ होलिकोत्सव के मौके पर गोरखपुर पहुंचे हैं। जहां उन्होंने मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में आयोजित जनता दर्शन में लगभग 150 लोगों से मुलाकात की। इस दौरान सीएम ने लोगों के पास जाकर एक-एक कर सबकी समस्याएं सुनी और त्वरित निस्तारण का भरोसा भी दिया। जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों से जूझ रहे कई लोग आर्थिक मदद की मांग लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वासन देते हुए कहा कि वे बेफिक्र होकर अच्छे अस्पताल में इलाज कराएं, सरकार उनको भरपूर आर्थिक सहायता देगी।

जनता दर्शन में एक शख्स ने किडनी की बीमारी के इलाज में पैसों की कमी की समस्या बताई।

मुख्यमंत्री ने पहले उससे आयुष्मान कार्ड के बारे में पूछा। लेकिन उसके पास कार्ड नहीं था। जिस पर सीएम ने उसे आश्वस्त करते हुए कहा कि चिंता की कोई बात नहीं, इलाज के लिए पर्याप्त मदद दी जाएगी। अन्य कई मरीजों ने भी गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहयोग की गुहार लगाई, इन सभी को सकारात्मक कार्रवाई का भरोसा दिया गया।

विवेकाधीन कोष से जरूरतमंदों को मिलेगा सहारा

सीएम योगी ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि जनता की समस्याओं का त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक समाधान किया जाए। उन्होंने कहा कि हर पीड़ित के साथ संवेदनशील रवैया अपनाया जाए और किसी भी तरह की कोई लापरवाही न बरती जाए। सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन मामलों में इलाज के लिए धन की जरूरत है, उनका इस्टीमेट जल्द तैयार कर शासन को भेजा जाए, ताकि हर जरूरतमंद को मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से समय पर सहायता दी जा जा सके।

सीएम ने बच्चों की दी चॉकलेट

जमीन कब्जाने और दबंगई के मामलों पर मुख्यमंत्री ने सख्त रुख अपनाते हुए साफ निर्देश दिया कि ऐसे मामलों में दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। जनता दर्शन में कुछ परिवार अपने बच्चों के साथ भी आए हुए थे। मुख्यमंत्री ने बच्चों को स्नेहपूर्वक आशीर्वाद देते हुए उन्हें चॉकलेट दी और मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया।

पीएम मोदी ने कतर के 'अमीर' को किया कॉल, भारतीय समुदाय की तरफ से जताया आभार

(जीएनएस)।

मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी से फोन पर बातचीत की है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी देते हुए बताया कि बातचीत काफी सकारात्मक रही है। पिछले एक दशक में भारत के संबंध कतर समेत मिडिल ईस्ट के देशों से काफी मजबूत हुए हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दौरान कतर और भारत के बीच मजबूत संबंधों पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि संकट और तनाव की स्थिति में भारत कतर के साथ मजबूती से खड़ा है। कतर की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के किसी भी उल्लंघन की कड़ी निंदा करता है।

पीएम ने कतर शासन का जताया शुक्रिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि इस बातचीत में उन्होंने कतर के अमीर का भारतीय समुदाय की चिंता करने और उन्हें संभव सहयोग देने के लिए शुक्रिया अदा किया है। बता दें कि कतर में लाखों की संख्या में भारतीय कामगार, आईटी और मेडिकल प्रोफेशनल काम करते हैं। दोनों नेताओं ने क्षेत्र में शांति और स्थिरता बहाल करने के लिए संवाद और कूटनीति की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया।

– पीएम मोदी ने कतर के अमीर का भारतीय समुदाय को दिए जाने वाले सहयोग के लिए आभार जताया है। यह दोनों देशों के बीच संबंधों को बेहतर बनाने की दिशा में अहम है।

– मौजूदा राजनीतिक हालात में भारत ने लगातार कूटनीतिक समाधान की वकालत की है।

संघर्ष और हमलों के बीच ईरान ने दिया झुकने का संकेत, 'इज्जत के साथ बातचीत के लिए तैयार

(जीएनएस)।

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष जारी है। ईरान के सुप्रीम लीडर समेत 40 टॉप कमांडरों की मौत हो चुकी है। तेहरान की ओर से भी जोरदार कार्रवाई की जा रही है। आईडीएफ ने स्पष्ट कर दिया है कि हमले जारी रहेंगे। हालांकि, ऐसा लग रहा है कि ईरान अब युद्ध से होने वाले भारी नुकसान से बचना चाहता है। जारी तनाव के बीच तेहरान की ओर से एक अहम बयान सामने आया है।

अठकको दिए इंटरव्यू में ईरान के सर्वोच्च नेता आयतोल्ला सैय्यद अली खामेनेई के प्रतिनिधि बताए जा रहे डॉक्टर अब्दुल मजीद हकीम इलाही ने इसके संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा, 'ईरान बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन इज्जत के साथ समझौता होना चाहिए।'

डॉ. इलाही ने स्पष्ट किया कि ईरान कूटनीतिक समाधान के खिलाफ नहीं है, मगर वह किसी भी तरह के दबाव या एकतरफा शर्तों को स्वीकार नहीं करेगा। उनके अनुसार, किसी भी वार्ता

की बुनियाद आपसी सम्मान, समानता और संप्रभुता के सिद्धांतों पर होनी चाहिए।

यह बयान ऐसे समय में आया है जब पश्चिम एशिया में हालात बेहद संवेदनशील बने हुए हैं। क्षेत्र में बढ़ती सैन्य गतिविधियों और तीखी बयानबाजी ने वैश्विक समुदाय की चिंता बढ़ा दी है। अमेरिका और इजरायल की नीतियों पर सवाल उठाते हुए ईरान लगातार अपने सुरक्षा हितों और क्षेत्रीय प्रभाव को लेकर सतर्क रुख अपनाए हुए है।

– विशेषज्ञों का मानना है कि ईरान के लिए एक साथ चौतरफा हमले झेलना आसान नहीं है। खामेनेई और टॉप लीडरशिप की मौत के बाद देश में हालात अस्थिर हैं।

– लंबे समय से आर्थिक प्रतिबंध झेल रहे ईरान की अर्थव्यवस्था पहले ही बर्बाद हो चुकी है। जंग अगर लंबे समय तक चलता है, तो नुकसान असहनीय हो सकता है।

– अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी पहले ही कह दिया है कि वह तेहरान से बातचीत करने के लिए तैयार हैं। अगर सभी पक्षों की सहमति बनती है, तो मिडिल ईस्ट में हालात सामान्य हो सकते हैं।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय अब इस बात पर नजर रखे हुए है कि क्या आने वाले दिनों में बैक-चैनल कूटनीति या औपचारिक वार्ता की दिशा में कोई ठोस पहल होती है। फिलहाल ईरान ने सम्मान के साथ बातचीत की बात कहकर समझौते के संकेत जरूर दे दिए हैं।

पश्चिम एशिया में तनाव पर भारत सख्त, 1 करोड़ भारतीयों की सुरक्षा पर एमईए ने जताई गंभीर चिंता

(जीएनएस)।

पश्चिम एशिया में तेजी से बिगड़ते सुरक्षा हालात और बढ़ते तनाव के बीच भारत सरकार ने अपनी गहरी चिंता व्यक्त की है। विदेश मंत्रालय (MEA) ने एक आधिकारिक बयान जारी कर सभी पक्षों से तत्काल हिंसा रोकने और शांति की अपील की है। भारत ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि किसी भी विवाद का समाधान युद्ध नहीं, बल्कि संवाद और कूटनीति ही हो सकता है।

यह बयान ऐसे समय में आया है जब रमजान के पवित्र महीने में इस क्षेत्र की स्थिति काफी नाजुक हो गई है। भारत के लिए यह संकट इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि खाड़ी देशों में लगभग 1 करोड़ भारतीय नागरिक रहते हैं, जिनकी सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके अलावा, भारत

की ऊर्जा आपूर्ति और व्यापारिक मार्ग भी इसी क्षेत्र से होकर गुजरते हैं, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था पर सीधा असर पड़ सकता है।

भारतीय नागरिकों की सुरक्षा पर संकट

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि पिछले कुछ दिनों में इस संघर्ष ने खतरनाक मोड़ ले लिया है। विशेष रूप से मर्चेंट शिपिंग (व्यापारिक जहाजों) पर हो रहे हमलों ने भारत की चिंता बढ़ा दी है। इन हमलों में कुछ भारतीय नागरिकों ने अपनी जान गंवाई है, जबकि कुछ अन्य अभी भी लापता हैं। सरकार ने इस घटनाक्रम पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

अर्थव्यवस्था और व्यापार पर बुरा असर

पश्चिम एशिया का यह भूगोल भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए रीढ़ की हड्डी माना जाता है। विदेश मंत्रालय के अनुसारः

व्यापारिक मार्गः भारत का एक बड़ा व्यापार इसी समुद्री रास्ते से होता है। ऊर्जा आपूर्तिः कच्चे तेल और गैस की सप्लाई बाधित होने से भारतीय अर्थव्यवस्था पर गंभीर परिणाम हो सकते हैं। शिपिंग पर हमलेः भारत मर्चेंट शिपिंग पर होने वाले हमलों का कड़ा विरोध करता है और इसे अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए बड़ा खतरा मानता है। रमजान के महीने में बिगड़ते हालात

बयान में इस बात का भी उल्लेख किया गया कि रमजान के पवित्र महीने के दौरान क्षेत्र में स्थिति में सुधार के बजाय निरंतर गिरावट आई है।

बागानों से राज्यसभा उम्मीदवारी तक का सफर करने वाले तेराश गोवाला

असम की राजनीति में तेराश गोवाला एक ऐसे नेता के रूप में उभरे हैं, जिन्होंने जमीनी स्तर से अपनी पहचान बनाई। डिब्रूगढ़ जिले की दुलियाजान विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले गोवाला को खास तौर पर असम के चाय बागान समुदाय की मजबूत आवाज माना जाता है।

तेराश गोवाला पहली बार 2016 में विधायक चुने गए थे। उस चुनाव में उनकी जीत को केवल एक राजनीतिक सफलता नहीं, बल्कि चाय बागानों में काम करने वाले समुदाय के प्रतिनिधित्व की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा गया था। तब से लेकर अब तक वे दुलियाजान क्षेत्र में लगातार सक्रिय हैं और स्थानीय विकास, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और श्रमिक कल्याण जैसे मुद्दों पर काम करते रहे हैं। तेराश गोवाला की पहचान एक जमीनी नेता की रही है।

वे अक्सर चाय बागानों में काम करने वाले श्रमिकों की समस्याओं को विधानसभा में उठाते रहे हैं।

– यही कारण है कि चाय बागानों में काम करने वाले समुदाय में उनकी मजबूत पकड़ मानी जाती है। भाजपा के संगठन में भी उनकी भूमिका को महत्वपूर्ण माना जाता है, खास तौर पर ऊपरी असम में पार्टी के विस्तार के संदर्भ में।

– तेराश को बीजेपी ने राज्यसभा का उम्मीदवार बनाया है और अब वह दिल्ली में प्रदेश और चाय बागान कर्मियों की आवाज बनकर नजर आ सकते हैं। उनकी पहचान ऊपरी असम के कर्मठ और जुझारू नेताओं के तौर पर है।

राजनीतिक गलियारों में तेराश गोवाला को राज्यसभा उम्मीदवार बनाए जाने की चर्चा चल रही थी, लेकिन औपचारिक मुहर मंगलवार (3 मार्च) को लग गई। असम में तीन

बेंगलुरु से हैदराबाद महज 2 घंटे में, हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर कब होगा शुरू?

(जीएनएस)।

देश में हाई-स्पीड रेल (HSR) नेटवर्क को विस्तार देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। केंद्र सरकार ने बेंगलुरु और हैदराबाद के बीच प्रस्तावित हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर को तेजी से आगे बढ़ाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। ल्रफ कॉरिडोर प्रोजेक्ट के पहले फेज को लेकर सेंट्रल रेलवे के अधिकारियों ने कर्नाटक पहुंचकर राज्य के इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट डिपार्टमेंट (IDD) के साथ औपचारिक चर्चा की।

यह बैठक दक्षिण भारत की सबसे महत्वाकांक्षी पारगमन प्रोजेक्ट में से एक के लिए जमीनी स्तर पर समन्वय की दिशा में पहला कदम है। केंद्रीय बजट में इस Bullet Train संबंधी प्रोजेक्ट के ऐलान के बाद ये बैठक बहुत अहम मानी जा रही है।

महज दो घंटे में बेंगलुरू से हैदराबाद

इस कॉरिडोर का उद्देश्य इन बेंगलुरू और हैदराबाद दो प्रमुख आर्थिक केंद्रों के बीच कनेक्टिविटी को बदलना है और कनेक्टिविटी बेहतर करनी है। वर्तमान में, 606 किलोमीटर की यह यात्रा एक्सप्रेस ट्रेन से लगभग 8.5 घंटे में पूरी होती है। ल्रफ परियोजना का लक्ष्य यात्रा समय को घटाकर मात्र 2 घंटे करना है। 350 किमी/घंटा की स्पीड से ये ये ट्रेन दौड़ेगी।

प्रोजेक्ट पूरा होने के बाद दोनों प्रमुख आईटी शहरों के बीच यात्रा समय घटकर लगभग 2 घंटे रह जाएगा, जो फिलहाल ट्रेन से 8-10 घंटे और सड़क मार्ग से 9-12 घंटे तक लगता है।

हाई स्पीड रेल कॉरिडोर कर्नाटक में कहां होगा?

हालांकि इस हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर का अधिकांश हिस्सा पड़ोसी राज्यों से होकर गुजरेगा, फिर भी लगभग 100 किलोमीटर ट्रैक कर्नाटक राज्य से होकर गुजरेगा। यह लाइन तुमकुरु जिले से राज्य में प्रवेश करेगी और यहां तीन रणनीतिक स्टेशनों की योजना बनाई गई है, जो क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण साबित होंगे।

कर्नाटक में होंगे ये तीन स्टेशन?

इनमें चिकबल्लापुर में अलीपुर पहला प्रवेश बिंदु बनेगा। देवनहल्ली स्टेशन केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (KIA) जाने वाले अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण कड़ी का काम करेगा। वहीं, कोडिहल्ली को भविष्य के मेगा-जंक्शन के रूप में परिकल्पित किया गया है, जो अंततः बेंगलुरु-चेन्नई ल्रफ और नम्मा मेट्रो नेटवर्क से जुड़ेगा।

गेगचेंजर साबित होगा ये हाई स्पीड हाई रेल कॉरिडोर

बेंगलुरु-हैदराबाद कॉरिडोर देश में प्रस्तावित नए हाई-स्पीड रेल नेटवर्क का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है। सरकार का लक्ष्य बड़े आर्थिक और टेक्नोलॉजी हब शहरों को तेज रफ्तार रेल सेवाओं से जोड़ना है, ताकि बिजनेस ट्रैवल आसान हो और क्षेत्रीय आर्थिक विकास को गति मिले।

उद्योग को होगा बड़ा फायदा

बेंगलुरु और हैदराबाद देश के दो बड़े आईटी और स्टार्टअप हब हैं। हाई-स्पीड रेल शुरू होने से दोनों शहरों के बीच बिजनेस यात्रा आसान होगी, हवाई यात्रा पर निर्भरता कम हो सकती है और औद्योगिक व निवेश गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। इससे दक्षिण भारत में एक मजबूत आर्थिक कॉरिडोर विकसित होने की संभावना है।

कब तक शुरू हो सकती है सर्विस?

परियोजना की आधिकारिक समयसीमा अभी घोषित नहीं की गई है। विशेषज्ञों के अनुसार हाई-स्पीड रेल जैसी बड़ी परियोजनाओं को पूरा होने में आमतौर पर 8 से 12 वर्ष का समय लग सकता है, क्योंकि इसमें तकनीकी डिजाइन, फंडिंग और निर्माण कार्य के कई चरण शामिल होते हैं

कर्नाटक में 176 हेक्टेयर भूमि का हुआ अधिग्रहण

कर्नाटक में 176 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण आवश्यक है, जिसमें बेंगलुरु ग्रामीण जिलों जैसे चोकनहल्ली और नल्लाला के वन क्षेत्र शामिल हैं। इस प्रक्रिया को गति देने के लिए, दक्षिण मध्य रेलवे ने राज्य सरकार से समर्पित नोडल

होली पर सीएम धामी की बड़ी सौगात, एक क्लिक पर 9.57 लाख लाभार्थियों के खाते में 141 करोड़ 91 लाख 61 हजार की धनराशि

(जीएनएस)।

होली से पहले मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 9.57 लाख से अधिक लाभार्थियों को 141 करोड़ 91 लाख 61 हजार की धनराशि वितरित की। जिसमें मासिक पेंशन के साथ-साथ एरियर भुगतान भी शामिल किया गया। सीएम धामी ने वन-क्लिक से फरवरी 2026 की पेंशन किश्त जारी की।

सीएम ने अधिकारियों को पेंशन प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के सख्त निर्देश दिए। सीएम ने साफ किया कि हर पात्र तक योजना का लाभ पहुंचना चाहिए, उन्होंने सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने का संकल्प दोहराया।

मुख्यमंत्री धामी द्वारा समाज कल्याण विभाग की माह फरवरी 2026 की पेंशन किश्त का वन-क्लिक के माध्यम से सफलतापूर्वक भुगतान किया गया। इस अवसर पर कुल 9,57,651 लाभार्थियों को ₹14,191.61 लाख अर्थात ₹141 करोड़ 91 लाख 61 हजार की धनराशि वितरित की गई। यह राशि मासिक पेंशन के साथ-साथ एरियर भुगतान को भी सम्मिलित करती है।

फरवरी माह में वृद्धावस्था पेंशन योजना के अंतर्गत 5,93,184 लाभार्थियों को प्रति माह ₹1500 की दर से ₹8897.76 लाख की धनराशि वितरित की गई, जबकि विधवा पेंशन योजना के तहत 2,31,593 लाभार्थियों को ₹1500 प्रतिमाह की दर से ₹3473.895 लाख का भुगतान किया गया। दिव्यांग पेंशन योजना में 87,477 लाभार्थियों को ₹1500 प्रतिमाह के अनुसार ₹1312.155 लाख की राशि हस्तांतरित की गई।

किसान पेंशन योजना के अंतर्गत 27,638 लाभार्थियों को ₹1200 प्रतिमाह की दर से ₹331.656 लाख वितरित किए गए। परित्यक्ता पेंशन योजना में 8,096 लाभार्थियों को ₹1200 प्रतिमाह के अनुसार ₹97.24 लाख की राशि दी गई, जबकि भरण-पोषण अनुदान योजना के अंतर्गत 7,409 लाभार्थियों को ₹700 प्रतिमाह की दर से ₹51.86 लाख वितरित किए गए।

तीलू रौतेली पेंशन योजना में 2,125 लाभार्थियों को ₹1200 प्रतिमाह के अनुसार ₹25.5 लाख की राशि प्रदान की गई तथा बौना पेंशन योजना के तहत 129 लाभार्थियों को ₹1200 प्रतिमाह की दर से ₹1.55 लाख की धनराशि हस्तांतरित की गई।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि पेंशन प्रकरणों का निस्तारण पूर्ण तत्परता और समयबद्धता के साथ किया जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र व्यक्ति सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि पेंशन योजनाओं की जानकारी अधिक से अधिक योग्य लाभार्थियों

जमीन का पट्टा दिलाने के नाम पर 75 हजार की ठगी, वकील पर धोखाधड़ी का आरोप

खखरेरू / फतेहपुर थाना क्षेत्र के अढ़ैया गांव की एक महिला ने सिविल कोर्ट में बैठने वाले एक वकील पर जमीन का सरकारी पट्टा दिलाने के नाम पर 75 हजार रुपये ठगने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता ने मामले की तहरीर थाने में देकर न्याय की गुहार लगाई है।

अढ़ैया गांव निवासी अनीता देवी पत्नी बनवारी लाल ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि वह पड़ोसियों द्वारा उत्पीड़न से परेशान थीं। समस्या के समाधान के लिए वह फतेहपुर सिविल कोर्ट परिसर में बैठने वाले अधिवक्ता विनोद त्रिपाठी से मिलीं।

पीड़िता के अनुसार, अधिवक्ता ने उन्हें सड़क किनारे एक बीघा सरकारी जमीन का पट्टा दिलाने का झांसा दिया और इसके एवज में एक लाख रुपये की मांग की। बातचीत के बाद यह तय हुआ कि 75 हजार रुपये अग्रिम दिए जाएंगे और शेष 25 हजार रुपये पट्टा मिलने के बाद दिए जाएंगे।

महिला ने आरोप लगाया कि 4 अक्टूबर 2025 को उसने पहली किस्त के रूप में 75 हजार रुपये नकद दे दिए। कुछ दिनों बाद से ही अधिवक्ता का मोबाइल फोन बंद आने लगा। जब वह उनके द्वारा बताए गए खागा ओवरब्रिज के पास स्थित पते पर पहुंची तो वहां मौजूद लोगों ने बताया कि इस नाम का कोई व्यक्ति उस पते पर नहीं रहता।

अपने साथ ठगी होने का एहसास होने पर पीड़िता ने घटना से संबंधित वीडियो साक्ष्यों के साथ थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

इस संबंध में थाना प्रभारी विद्या प्रकाश सिंह ने बताया कि महिला की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है तथा मामले की जांच कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

सांसद हेमा मालिनी के बनाया इंडिया-दक्षिण अफ्रीका पार्लियामेंट्री फ्रेंडशिप ग्रुप का अध्यक्ष : अन्य राजनैतिक दलों के नेता भी हैं ग्रुप में शामिल

मथुरा (जीएनएस)। श्रीकृष्ण की नगरी मथुरा की सांसद हेमा मालिनी को इंडिया-साउथ अफ्रीका पार्लियामेंट्री फ्रेंडशिप ग्रुप का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस संबंध में सांसद हेमा मालिनी ने कहा कि उन्हें दक्षिण अफ्रीका के साथ रिश्ते मजबूत करने की यह जिम्मेदारी मिलने पर खुशी है। कहा कि जिसके साथ भारत के मजबूत और गहरे रिश्ते, सांस्कृतिक संबंध और ऐतिहासिक संबंध हैं। उन्होंने आगे कहा कि दक्षिण अफ्रीका में हमारे बहुत भारतीय लोग रहते हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यह दल दक्षिण अफ्रीका के साथ द्विपक्षीय रिश्ते को और भी अधिक मजबूत करेगा तथा आपसी समझ को बढ़ावा देगा। कहा कि हमें उम्मीद है कि हम व्यापार, तकनीकी, सोशल पॉलिसी और संस्कृति पर पार्टनरशिप को आसान बना पाएंगे। उन्हें लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने नॉमिनेट किया है। विगत 23 फरवरी को लोकसभा सेक्रेटेरिएट के डायरेक्टर ने एक लेटर जारी किया था, जिसमें लिखा है, "18-वीं लोकसभा के टर्म के लिए साउथ अफ्रीका के साथ हमारी पार्लियामेंट में एक पार्लियामेंट्री फ्रेंडशिप ग्रुप बनाया गया है। सांसद हेमा मालिनी के लिए लिखा है कि स्पीकर लोकसभा, आपको इंडिया-साउथ अफ्रीका पार्लियामेंट्री फ्रेंडशिप ग्रुप का अध्यक्ष नियुक्त करते हुए खुश हैं। पीआईबी की प्रेस रिलीज के मुताबिक, लोकसभा स्पीकर ने ग्लोबल लोकतांत्रिक रिश्तों को मजबूत करने के लिए 60 से ज्यादा देशों के साथ एक पार्लियामेंट्री फ्रेंडशिप ग्रुप बनाया है। इनमें श्रीलंका, जर्मनी, न्यूजीलैंड, स्विट्ज़रलैंड, दक्षिण अफ्रीका, भूटान, सऊदी अरब, इजराइल, मालदीव, यूएसए, रूस, ईयू पार्लियामेंट, साउथ कोरिया, नेपाल, यूनाइटेड किंगडम, ग्रीस, सिंगापुर, ब्राजील, वियतनाम, मैक्सिको, ईरान और यूएई शामिल हैं। स्पीकर ने फ्रेंडशिप ग्रुप में अलग-अलग पार्टियों के नेताओं को शामिल किया है। इनमें रविशंकर प्रसाद, डा. एम. थंबीदुरई, पी. चिदंबरम, प्रो. रामगोपाल यादव, टीआर. बालू, डा. काकोली घोष दस्तीदार, मनीष तिवारी, अखिलेश यादव, केसी. वेणुगोपाल, डा. शशि थरूर, कनिमोझी करुणानिधि, राजीव प्रताप रूढ़ी, सुप्रिया सुले, संजय सिंह और प्रफुल्ल पटेल शामिल हैं।

होली को लेकर अनपरा पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च, ...शांति-सुरक्षा से पर्व मनाने को दिया संदेश

(एजेंसी)।

रेणुसागर (सोनभद्र)। होली पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से अनपरा पुलिस द्वारा क्षेत्राधिकारी पिपरी हर्ष पाण्डेय के नेतृत्व में फ्लैग मार्च निकाला गया।

फ्लैग मार्च थाना परिसर से शुरू होकर अनपरा बाजार, ककरी मोड़, रेणुसागर मार्ग एवं संवेदनशील इलाकों से होते हुए प्रमुख चौराहों तक पहुंचा। इस दौरान पुलिस बल ने आमजन को सुरक्षा का भरोसा दिलाते हुए होली त्यौहार में आपसी भाईचारा बनाए रखने और अफवाहों से दूर रहने की अपील की।क्षेत्राधिकारी हर्ष पाण्डेय ने

कहा कि होली रंगों और खुशियों का त्योहार है, इसे प्रेम और सौहार्द के साथ मनाएं। किसी भी प्रकार की गड़बड़ी फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर सुरक्षित होली मनाने की भी अपील की।

थाना प्रभारी सतेन्द्र राय ने बताया कि त्योहार को देखते हुए पुलिस द्वारा लगातार गश्त, संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी एवं सोशल मीडिया मॉनिटरिंग की जा रही है, ताकि शांति व्यवस्था बनी रहे।

फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस कर्मियों की मौजूदगी से आमजन में सुरक्षा की भावना दिखाई दी और लोगों ने पुलिस की पहल का स्वागत किया।

सदर पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में फरार चल रहे दो बदमाशों को किया गिरफ्तार : अवैध हथियार और कारतूस हुए बरामद

मथुरा (जीएनएस)। थाना सदर बाजार क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों से पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में फरार चल रहे दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी सदर बाजार सुधीर कुमार और चौकी प्रभारी सिविल लाइन मोनू कुमार पुलिस टीम के साथ वांछित अपराधियों की तलाश में जुटे हुए थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि गैंगस्टर एक्ट में फरार चल रहा शातिर बदमाश डिफेंस कॉलोनी रोड़ पर खड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सुधीर कुमार और चौकी प्रभारी सिविल लाइन मोनू कुमार पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस को देखते ही वहां खड़ा गैंगस्टर एक्ट में फरार शातिर बदमाश भागने लगा। पुलिस टीम ने भागने का

प्रयास कर रहे शातिर बदमाश विशाल पुत्र राकेश हाल निवासी मोहल्ला चुरियाना थाना कोतवाली, मूल निवासी गोकुलपुरम कॉलोनी थाना सदर बाजार, मथुरा को घेराबंदी करके दबोच लिया। इसके बाद दूसरी सूचना मिलने पर थाना प्रभारी सुधीर कुमार और चौकी प्रभारी मोनू कुमार ने गैंगस्टर एक्ट में फरार चल रहे शातिर बदमाश कृष्णमुरारी उर्फ कृष्णा पुत्र छिद्दीलाल निवासी गांव भदाल थाना जैंत, मथुरा को नीमबाड़ी से यमुना की ओर जाने वाले रोड़ से घेराबंदी करके दबोच लिया। पुलिस ने पकड़े गए शातिर बदमाश कृष्ण मुरारी उर्फ कृष्णा की तलाशी ली तो उसके पास से एक तमंचा और कारतूस बरामद हुए। पकड़े गए बदमाश गैंगस्टर एक्ट में लम्बे समय से फरार चल रहे थे। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

दिल्ली से लखनऊ तक,भारत में कई जगहों पर दिखा ब्लड मून

(जीएनएस)।

साल 2026 का पहला चंद्र ग्रहण मंगलवार को पूरे देश में नजर आया, दिल्ली , बेंगलुरु, असम की सुंदर तस्वीरें इस वक्त सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। आपको बता दें कि साल 2026 में लगा चंद्र ग्रहण धार्मिक और ज्योतिषीय दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना गया है।

चंद्रमा मन, भावनाओं, माता और मानसिक स्थिति का कारक ग्रह है। जब चंद्रग्रहण लगता है तो इसका प्रभाव व्यक्ति के मन, करियर, आर्थिक स्थिति और रिश्तों पर साफ दिखाई देता है।

दिल्लीः आंशिक चंद्र ग्रहण शुरू; इंडिया गेट के पास से चांद के नजारे।

पश्चिम बंगालः आंशिक चंद्र ग्रहण शुरू; कोलकाता के पास से चांद के नजारे।

असमः आंशिक चंद्र ग्रहण शुरू; गुवाहाटी से चांद के नजारे।

चंडीगढ़ः पूरे शहर में चंद्र ग्रहण के दौरान आसमान में ब्लड मून की रोशनी दिखाई दी।

उत्तर प्रदेशः आंशिक चंद्र ग्रहण चल रहा है लखनऊ के पास से चांद के नजारे।

बेंगलुरु में दिखा इ'ङ्क्ष्ङ्क टङ्क्षङ्कल्ल

उँल्लरि१ ऋ्रँल्ल 2026 ढ्रूर

ग्रहण के दौरान सूतक काल में कई नियमों का पालन किया जाता है लेकिन जैसे ही चंद्र ग्रहण समाप्त होता है, लोगों के मन में सबसे बड़ा सवाल होता है-अब क्या करें?

अब क्या करें?

जैसे ही ग्रहण समाप्त हो, पूरे परिवार को स्नान करना चाहिए। मान्यता है कि ग्रहण के दौरान वातावरण में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ जाती है। इसके बाद पूरे घर में गंगाजल का छिड़काव करें। मंदिर की सफाई करें, चंद्र ग्रहण के बाद दान का विशेष महत्व होता है, चावल, दूध या सफेद पेड़े का दान करें। तुलसी माता की पूजा करें और नया और शुद्ध भोजन बनाकर ही ग्रहण करें। ग्रहण समाप्त होने के बाद गर्भवती महिलाएं भी स्नान करें और भगवान का ध्यान करें।

चंद्र ग्रहण हमें यह सिखाता है कि अंधकार स्थायी नहीं होता। जैसे ग्रहण खत्म होता है और चांद फिर से अपनी रोशनी बिखेरता है, वैसे ही जीवन की कठिनाइयां भी समाप्त हो जाती हैं। ये हमें ये भी सिखाता है कि जब दो लोगों के बीच में कोई तीसरा आता है तो चीजें बिगड़ जाती हैं इसी तरह से जीवन के रिश्ते हैं, इन्हें आप संभालकर रखिए और अपने संबंधों में किसी तीसरे को जगह ना दें।

साल का दूसरा सूर्य ग्रहण 12 अगस्त 2026 को लगेगा और ये भी भारत में नजर नहीं आएगा।। भारतीय समयानुसार ये ग्रहण रात 9:04 ढट से सुबह 4:25 अट बजे तक रहेगा, यूरोप, कनाडा, ग्रीनलैंड में ये नजर आएगा, इसका सूतककाल भारत में प्रभावी नहीं होगा इसलिए इसका सूतक काल नहीं लगेगा।

मोनी नैन कौन हैं? टीटीए ने ऑन ड्यूटी किया ऐसा 'कांड'! इंडियन रेलवे ने लगा दी क्लास-कहां तैनात?

(जीएनएस)।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर तैनात एक ट्रैवलिंग टिकट एग्जामिनर (TTE) और टिकट कलेक्टर अचानक सोशल मीडिया सेंसेशन बन जाए, ये सुनकर थोड़ा अजीब जरूर लगता है। लेकिन यही हुआ जब मोनी नैन की रील्स इंटरनेट पर तेजी से वायरल होने लगीं। लोग उन्हें 'ग्लैमरस TTE' कहकर शेयर करने लगे, लेकिन कुछ ही दिनों में ये वायरल फेम एक विवाद में बदल गया।

मोनी नैन स्पोर्ट्स कोटा के जरिए नॉर्दर्न रेलवे में भर्ती हुईं। नई दिल्ली स्टेशन पर ळळए-ू४-ळउ के पद पर पोस्टेड हैं। उनकी जिम्मेदारी यात्रियों के टिकट चेक करना, बिना टिकट वालों से जुमार्ना वसूलना और ट्रेनों में व्यवस्था बनाए रखना है। लेकिन ड्यूटी के अलावा मोनी ने इंस्टाग्राम पर एक मजबूत पहचान बनाई। उनके अकाउंट पर 3.6 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। लिप-सिंक, लाइफस्टाइल, फिटनेस और ब्यूटी से जुड़ी रील्स पोस्ट करती थीं।

कई रील्स में मोनी रेलवे यूनिफॉर्म में नजर आती थीं। ये वीडियो अक्सर स्टेशन परिसर या ड्यूटी के दौरान शूट किए जाते थे। कभी टिकट चेकिंग के बीच में, कभी कैमरामैन साथ लेकर ट्रेंडिंग गानों पर डांस। फैंस को यह 'ग्लैमरस TTE' वाला कंटेंट पसंद आया, लेकिन यात्रियों और सोशल मीडिया यूजर्स को लगा कि यह सरकारी ड्यूटी का दुरुपयोग है।

यूनिफॉर्म और सरकारी जगह को इन्फ्लुएंसर कंटेंट के लिए इस्तेमाल करना।

ड्यूटी के समय फोकस यात्रियों की सेवा पर होना चाहिए, न कि रील्स बनाने पर।

जल्द ही पर पोस्ट्स वायरल हो गए। यूजर्स ने दिल्ली रेलवे को टैग कर शिकायत की। सवाल उठाः 'क्या ऑन-ड्यूटी सरकारी कर्मचारी रील्स बना सकते हैं?'

रेलवे ने क्या कार्रवाई की?

दिल्ली डिवीजन के ऊफट (डिविजनल रेलवे मैनेजर) ने तुरंत संज्ञान लिया। आधिकारिक बयान में पुष्टि की गई किः मोनी नैन को कड़ी चेतावनी जारी की गई।

ड्यूटी के दौरान वीडियो फिल्माने या अपलोड करने पर पूर्ण प्रतिबंध।

सभी काम से जुड़े रील्स/वीडियो तुरंत डिलीट करने के निर्देश।

मोनी ने निदेर्शों का पालन किया। अब उनके इंस्टाग्राम पर सिर्फ पर्सनल लाइफस्टाइल, ट्रैवल, फिटनेस और ब्यूटी कंटेंट बचा है। कोई भी रेलवे यूनिफॉर्म या स्टेशन से जुड़ा वीडियो नहीं दिखता।

यह घटना क्या सिखाती है?

सरकारी नौकरियों में नियम बहुत सख्त हैं। सार्वजनिक सेवा करदाताओं के पैसे से चलती है, इसलिए पेशेवर आचरण और अनुशासन सर्वोपरि है। सोशल मीडिया युग में हर कोई क्रिएटर बनना चाहता है, लेकिन सरकारी कर्मचारियों के लिए व्यक्तिगत अभिव्यक्ति और ड्यूटी की जिम्मेदारी के बीच संतुलन जरूरी है।

मोनी नैन का केस बताता है कि वायरल फेम की चमक कितनी भी आकर्षक हो, लेकिन नियम तोड़ने की कीमत भारी पड़ सकती है। अब बहस जारी हैः क्या यह 'क्रिएटिव फ्रीडम' का मामला था या अनुशासनहीनता?

देवरिया के एचडीएफसी बैंक के कर्मचारी ने वरिष्ठ नागरिक को ₹20 लाख की ठगी से बचाया

देवरिया, 03 मार्च, 2026ः उत्तर प्रदेश के देवरिया में एचडीएफसी बैंक के सतर्क कर्मचारी ने एक ग्राहक के ₹20 लाख सुरक्षित रखे, जिससे वह डिजिटल अरेस्ट स्कैम के जरिए धोखा करने वाले से ठगे जाने से बच गया। बैंक के एक बुजुर्ग ग्राहक, एचडीएफसी बैंक की देवरिया ब्रांच में अपने ₹20 लाख के फिक्स्ड डिपॉज़िट को समय से पहले बंद करने की रिक्वेस्ट लेकर आए। क्योंकि ग्राहक परेशान लग रहा था, इसलिए ब्रांच कर्मचारी को लगा कि कुछ गड़बड़ है। आगे पूछने पर ग्राहक ने वीडियो कॉल करने की बात कही। ब्रांच कर्मचारी को शक था कि यह साइबर धोखाधड़ी (डिजिटल अरेस्ट) का मामला है। ब्रांच कर्मचारी ने ग्राहक से बात की, उसे ऐसे धोखाधड़ी के तरीके के बारे में बताया और नंबर अवरुद्ध करने में ग्राहक की मदद की। धोखेबाजों ने पुलिस अधिकारी बनकर ग्राहक को ठगने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि उनके अकाउंट का इस्तेमाल धन शोधन के लिए किया जा रहा था और मामले की आगे जांच की जा रही है। इसके बाद धोखेबाजों ने ग्राहक से पैसे ट्रांसफर करने को कहा और बताया कि अगर वह बेगुनाह साबित हुआ तो पैसे वापस कर दिए जाएंगे। वीडियो कॉल के दौरान धोखेबाजों ने पुलिस अफसरों की वर्दी पहनी हुई थी और नकली गिरफ्तारी वारंट दिखाया। डिजिटल अरेस्ट क्या है? डिजिटल अरेस्ट स्कैम में, धोखेबाज पुलिस या सरकारी अधिकारी बनकर लोगों या बिजनेस को लक्षित करते हैं। पीड़ितों को टैक्स चोरी, रेगुलेटरी नियमों के उल्लंघन या वित्तीय के लिए डिजिटल अरेस्ट वारंट की धमकी दी जाती है। जालसाज डिजिटल अरेस्ट वारंट वापस लेने के लिए 'निपटान शुल्क' या 'जुमार्ना' के रूप में भुगतान मांगते हैं। भुगतान हो जाने के बाद, धोखेबाज अपनी पहचान का कोई निशान छोड़े बिना गायब हो जाते हैं।

धोखेबाजों के साथ व्यक्तिगत विवरण साझा करने की वजह से पीड़ितों को पैसे का नुकसान होता है और कभी-कभी पहचान की चोरी भी हो जाती है। डिजिटल अरेस्ट धोखाधड़ी से खुद को बचाने के टिप्स

• असली सरकारी अधिकारी या कानून लागू करने वाली एजेंसी कभी भी भुतान या बैंकिंग विवरण नहीं मांगेगी। ड्ड स्कैमर अक्सर आपको बिना सोचे-समझे तुरंत काम करने के लिए उकसाते हैं। ड्ड ङउ डिटेल्स, बैंक डिटेल्स जैसे - यूजर ID पासवर्ड, कार्ड डिटेल्स, CVV, OTPs या PIN नंबर जैसी सेंसिटिव जानकारी किसी के साथ शेयर न करें। • हमेशा सरकारी अधिकारी या कानून लागू करने वाली एजेंसी से खुद संपर्क करके अधिकारी की पहचान वेरिफाई करें। • डॉक्यूमेंट्स में गलतियाँ देखें और संदिग्ध लिंक्स पर क्लिक करने से बचें। ऐसे संदिग्ध धोखाधड़ी वाले कम्युनिकेशन की रिपोर्ट तुरंत डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकम्युनिकेशन के चक्षु पोर्टल - www.sancharsaathi.gov.in पर करें। अगर कोई व्यक्ति किसी ऑनलाइन फ्रॉड का शिकार हो जाता है, तो उसे तुरंत बैंक को अनऑथराइज्ड ट्रांजैक्शन की रिपोर्ट करनी चाहिए ताकि पेमेंट चैनल, यानी कार्ड/वढक/नेट बैंकिंग को ब्लॉक किया जा सके और भविष्य में होने वाले नुकसान से बचा जा सके। कस्टमर्स को मिनिस्ट्री ऑफ होम अफेयर्स (MHA) के शुरू किए गए 1930 हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करके भी शिकायत करनी चाहिए और साथ ही नेशनल साइबरक्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल https://www.cybercrime.gov.in पर भी शिकायत करनी चाहिए।

दिल्ली में ड्राई डे नहीं, शराब की दुकानें खुली जानें सही टाइमिंग

(जीएनएस)। रंगों का त्योहार होली इस बार 4 मार्च 2026 को मनाया जा रहा है। दिल्लीवासियों के लिए अच्छी खबर - इस साल होली पर शराब की दुकानें बंद नहीं होंगी। दिल्ली सरकार की जनवरी 2026 में जारी अधिसूचना के मुताबिक, होली को 'ड्राई डे' की लिस्ट से हटा दिया गया है। यानी, शराब की बिक्री पर कोई पाबंदी नहीं होगी।

ड्राई डे क्या होता है और इसे क्यों लागू किया जाता है?

ड्राई डे वे दिन होते हैं जब शराब की दुकानें बंद रहती हैं, आमतौर पर राष्ट्रीय छुट्टियों या धार्मिक पर्वों पर। जनवरी-मार्च 2026 की लिस्ट में गणतंत्र दिवस (26 जनवरी), महाशिवरात्रि (15 फरवरी), ईद-उल-फितर (21 मार्च), राम नवमी (26 मार्च) और महावीर जयंती (31 मार्च) को ड्राई डे घोषित किया गया है। लेकिन होली को बाहर रखा गया।

इस फैसले से लाइसेंस होल्डर्स को बंदी के लिए कोई मुआवजा नहीं मिलेगा। हालांकि, यह प्रतिबंध लाइसेंस प्राप्त होटलों और गेस्ट हाउसों पर लागू नहीं होता, जहां मेहमानों को शराब सर्व की जा सकती है।

पिछले सालों का रिकॉर्ड क्या कहता है?

पिछले दो दशकों में दिल्ली में होली ज्यादातर ड्राई डे रहा है, ताकि कानून-व्यवस्था की समस्याओं से बचा जा सके। अपवाद सिर्फ 2022 का था, जब अरविंद केजरीवाल की

अअढ सरकार ने नई शराब नीति के तहत ड्राई डेज की संख्या घटाकर सिर्फ 3 कर दी थी।

राजनीतिक एंगलः इखढ का यू-टर्न?

इखढ, जो अब दिल्ली में सत्ता में है और होली को ड्राई डे लिस्ट से हटा चुकी है, ने 2022 में अअढ की आलोचना की थी। तत्कालीन दिल्ली इखढ अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा था, 'राष्ट्रीय छुट्टियों और धार्मिक भावनाओं के सम्मान में 21 ड्राई डे थे। केजरीवाल शराब माफिया की तरफ क्यों झुक रहे हैं? दिल्ली में रोज 50 करोड़ से ज्यादा की शराब बिकती है।'

अब इखढ के इस फैसले से राजनीतिक बहस छिड़ सकती है, खासकर जब केजरीवाल और मनीष सिसोदिया दिल्ली की पुरानी शराब नीति से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में बरी हो चुके हैं।

होली के मौके पर दिल्ली में वाइन और शराब की दुकानें सामान्य समय के अनुसार ही संचालित होंगी। जारी निदेर्शों के मुताबिक दुकानों के खुलने और बंद होने का समय इस प्रकार रहेगाः

ओपनिंग टाइमः सुबह 10:00 बजे से

क्लोजिंग टाइमः रात 10:00 बजे तक

यानी होली के दिन भी दिल्ली में वाइन शॉप्स सुबह 10 बजे खुलेंगी और रात 10 बजे तक ग्राहकों के लिए उपलब्ध रहेंगी। हालांकि, किसी विशेष आदेश या स्थानीय प्रशासनिक निर्देश के अनुसार समय में बदलाव संभव है, इसलिए खरीदारी से पहले नजदीकी दुकान या आधिकारिक सूचना की पुष्टि करना बेहतर रहेगा।

(नोटः यह स्टैंडर्ड टाइमिंग है; किसी बदलाव के लिए दिल्ली एक्साइज डिपार्टमेंट की वेबसाइट चेक करें।)

यह फैसला त्योहार की मस्ती बढ़ाने वाला है, लेकिन जिम्मेदारी से सेलिब्रेट करें। ड्राइविंग से पहले शराब

अनपरा में अंग्रेजी शराब दुकान पर होली में खरीददारों की लगी भीड़

अनपरा।

होली पर्व को लेकर अनपरा शक्तिनगर बीना रेणुसागर क्षेत्र में अंग्रेजी शराब,बियर, देशी शराब की दुकानों पर मंगलवार को खरीददारों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही लोगों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। त्योहार के मद्देनजर कई लोग पहले से ही स्टॉक करने के लिए दुकान पहुंच गए, जिससे दोपहर तक दुकानों के बाहर खासा जमावड़ा रहा।भीड़ को नियंत्रित करने के लिए दुकानदारों की

टीम अंदर बाहर मौके पर मौजूद रही। दुकानों के बाहर सुरक्षा व्यवस्था सी सी कैमरे से की जा रही थी, ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। आबकारी विभाग की ओर से भी सतर्कता बरती गई और बिक्री पर नजर रखी गई।

दुकानदारों के अनुसार होली के अवसर पर हर वर्ष की तरह इस बार भी बिक्री में बढ़ोतरी देखी गई है।होली को लेकर पूरे क्षेत्र में रंग गुलाल ,पिचकारी की दुकान पर भी उत्साह का माहौल है, बाजारों में भी रौनक बढ़ गई है।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

अरब से भारतीयों की वापसी का सवाल

युद्ध का अर्थशास्त्र ईंरान, इजरायल-अमेरिका का युद्ध भले ही भारत का नहीं है किन्तु इसका असर भारत पर जरूर पड़ेगा। पहला प्राभाव तो यही पड़ रहा है कि भारत के तेल वाहक जहाजों का आवागमन जलडमरू मध्य से होता हुआ गुजरता है और ईंरान ने उसे बंद कर दिया है। इसी तरह जो भारतीय नागरिक पर्यटन या बिजनेस वीजा पर अरब देशों में गए थे और वहां पर ईंरानी गोले बरस रहे हैं। ऐसे में उन्हें सुरक्षित भारत ले आना अब भारत की जिम्मेदारी हो गई है। दरअसल युद्ध का अर्थशास्र बड़ा ही बेढंगा है। इस युद्ध से जहां ईंरान और इजरायल दोनों को क्षति हो रही है, वहीं अमेरिकी शस्त्र व्यापारियों के लिए अच्छा अवसर लेकर आया है। अमेरिका के जिन ठिकानों पर ईंरान हमले कर रहा है, वहां पर नेवी के वुशल सैन्य अधिकारी तैनात हैं और वे ईंरान की तरफ से दागे जा रही मिसाइलों को निष्व्रिय भी कर रहे हैं किन्तु यदि जो भी सही सलामत गिर गईं तो वह व्यापक क्षति पहुंचा रही है। अमेरिका अपनी इस क्षति को खुद ही बढ़ा-चढ़ा कर पेश कर रहा है किन्तु जवाब में ईंरान की वायुसेना एवं नेवी सिस्टम को तबाह कर रहा है। ईंरान के ज्यादातर वैमरों को इजरायल ने बहुत पहले ही हैक कर लिया है। इसलिए ईंरान में जो भी गतिविधियां हो रही हैं, उनकी जानकारी इजरायली खुफिया तंत्र हासिल करके अपनी रणनीति बनाने में जुट जाता है। इजरायल ने पिछले काफी दिनों से इतना कठिन युद्ध का सामना नहीं किया था। वह तो 7 अक्टूबर 2023 की घटना के बाद से सव्रिय हुआ। इजरायल जानता है कि उसके खिलाफ हर अरब मुल्क है, कोईं कम कोईं ज्यादा किन्तु इजरायल सभी को अपना शत्रु समझता है। उसकी सुरक्षा नीति से उत्पन्न परंपराओं के कारण ही इजरायल इस वक्त बारूदी कारोबार में व्यस्त हो गया है और जल्द ही वह फिर से शस्नें की पैक्ट्री बन सकता है। एक बात बड़ी स्पष्ट है कि अब तक जो ईंरान हमास, हूती और हिजबुल्ला को आर्थिक मदद देकर इजरायल को परेशान करता था, अब वह यह सब खुराफात नहीं कर पाएगा। यही नहीं जिस तरह ईंरान का सम्पूर्ण रक्षा तंत्र तबाह हो रहा और ईंरान में कोईं नेतृत्व आगे आकर शांति पहल नहीं कर रहा है बल्कि वह इजरायल, अमेरिका और सऊदी अरब की रणनीति के मुताबिक ही बदहवासी का परिचय दे रहा है, उससे लगता तो यही है अब ईंरान न सिर्प अपने परमाणु कार्यंव्रम भूल जाएगा बल्कि वह खाड़ी का सर्वाधिक शांति प्रिय देश भी बन जाएगा। एनपीटी पर हस्ताक्षर करने के बावजूद अपने परमाणु कार्यंव्रमों को आगे बढ़ाने की जिस अकड़ में ईंरान ने हमेशा इजरायल को शैतान बताकर उसके अस्तित्व को मिटाने की इच्छा पाल रखी थी, यही उसके लिए घातक साबित हुईं। उम्मीद की जानी चाहिए कि यदि ईंरान में कोईं अमेरिका समर्थित सरकार बन गईं और उसे गृह युद्ध का सामना नहीं करना पड़ा तो निाित तौर पर ईंरान में आर्थिक प्रागति के रास्ते खुल जाएंगे क्योंकि अमेरिका और यूरोपीय देश ईंरान के खिलाफ प्रातिबंध हटा लेंगे। लब्बोलुआब यह है कि ईंरान में राजनीतिक स्थिरता आने तक उठापटक तो चलती रहेगी किन्तु बड़ा देश होने के कारण राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्राधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू किसी तरह की जल्दबाजी नहीं करेंगे। रही बात भारत की तो इसे बहुत संयमित एवं संवेदनशील तरीके से वूटनीतिक कौशल का परिचय देने की जरूरत है। वुल मिलाकर गोलों की आवाज शांत होते ही आर्थिक चिन्ता सभी पक्षों को होगी। यदि ईंरान में विकास आम जनता के प्राति संवेदनशील सरकार आईं तो देश की छवि भी बदल सकती है।

कौन हैं लक्ष्मी वर्मा, किस जाति से? इकलौती महिला उम्मीदवार को भाजपा क्यों भेज रही राज्यसभा

(जीएनएस)।

छत्तीसगढ़ की सियासत में राज्यसभा चुनाव 2026 को लेकर हलचल तेज है। भारतीय जनता पार्टी (इखढ) ने जब उम्मीदवारों की सूची जारी की तो सबसे ज्यादा चर्चा एक नाम पर थम गई, और वह नाम है लक्ष्मी वर्मा। सवाल उठने लगे कि आखिर कौन हैं लक्ष्मी वर्मा, किस सामाजिक पृष्ठभूमि से आती हैं और पार्टी ने उन्हें ही क्यों चुना।

छत्तीसगढ़ से बीजेपी की इकलौती महिला चेहरा

राज्यसभा की दो सीटें छत्तीसगढ़ से खाली हो रही हैं। बीजेपी ने इनमें से एक सीट के लिए लक्ष्मी वर्मा को मैदान में उतारा है। वह इस सूची में पार्टी की इकलौती महिला उम्मीदवार हैं। लंबे समय से अटकलें थीं कि इस बार संगठन सामाजिक संतुलन और महिला प्रतिनिधित्व दोनों को साधेगा। यही रणनीति आखिरकार टिकट वितरण में साफ दिखी।

55 वर्षीय लक्ष्मी वर्मा एमए लोक प्रशासन की पढ़ाई कर चुकी हैं। राजनीति में उनका सफर तीन दशक पुराना है। 1994 में रायपुर के वार्ड नंबर 7 से पार्षद चुनी गईं और यहीं से उनकी सक्रिय राजनीति की शुरूआत हुई। वर्ष 2000 में रायपुर लोकसभा क्षेत्र में सांसद प्रतिनिधि की भूमिका निभाई।

2010 में रायपुर जिला पंचायत अध्यक्ष बनीं। संगठन में भी उनका कद लगातार बढ़ता गया और 2021 में प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। उसी साल उन्होंने भाजपा मीडिया प्रवक्ता के तौर पर भी काम किया। 2024 में उन्हें छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य बनाया गया।

लक्ष्मी वर्मा राजनीतिक सफर

1994: रायपुर के वार्ड नंबर 7 से पार्षद चुनी गईं

2000: रायपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद प्रतिनिधि रहीं

2010: रायपुर जिला पंचायत अध्यक्ष निर्वाचित हुईं

2021: प्रदेश उपाध्यक्ष बनीं

2021: मीडिया प्रवक्ता की जिम्मेदारी संभाली

2024: राज्य महिला आयोग की सदस्य बनीं

लक्ष्मी वर्मा कुर्मी समाज से आती हैं, जो ओबीसी वर्ग में महत्वपूर्ण माना जाता है। छत्तीसगढ़ की राजनीति में सामाजिक समीकरण बेहद अहम भूमिका निभाते हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, ओबीसी और महिला वर्ग दोनों को साथ लेकर चलने की रणनीति के तहत यह फैसला लिया गया है।

प्रदेश संगठन ने राज्यसभा के लिए सात नामों का पैनल केंद्रीय नेतृत्व को भेजा था। शुरूआती सूची में लक्ष्मी वर्मा के साथ नारायण चंदेल, सरोज पांडेय, भूपेंद्र सवन्नी, किरण बघेल, डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी और निर्मल शामिल थे। मंथन के बाद तीन नाम शॉर्टलिस्ट किए गए, जिनमें लक्ष्मी वर्मा, नारायण चंदेल और डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी थे।

आखिरकार केंद्रीय नेतृत्व ने लक्ष्मी वर्मा के नाम पर मुहर लगा दी। राजनीतिक जानकार मानते हैं कि महिला प्रतिनिधित्व को प्राथमिकता देने की रणनीति ने समीकरण बदल दिए।

लक्ष्मी वर्मा को भाजपा क्यों भेज रही है राज्यसभा?

पार्टी लंबे समय से संकेत दे रही थी कि इस बार 'मातृशक्ति' को आगे लाया जाएगा। लक्ष्मी वर्मा की महिला वर्ग में मजबूत पकड़ मानी जाती है। संगठन में 30 साल की सक्रियता और जमीनी अनुभव को देखते हुए उन्हें राज्यसभा भेजने का फैसला हुआ।

लक्ष्मी वर्मा का राज्यसभा पहुंचना सिर्फ एक नाम का चयन नहीं है। यह संदेश है कि बीजेपी सामाजिक संतुलन, महिला सशक्तिकरण और संगठनात्मक निष्ठा को एक साथ साधना चाहती है। कुर्मी समाज की प्रतिनिधि और तीन दशक के अनुभव वाली नेता को आगे कर पार्टी ने स्पष्ट संकेत दिया है कि 2026 की सियासत में रणनीति अब और ज्यादा सूक्ष्म हो चुकी है। छत्तीसगढ़ की राजनीति में यह फैसला आने वाले समय में किस तरह असर डालेगा, इस पर सबकी नजरें टिकी हैं।

छत्तीसगढ़ में जीत का गणित

छत्तीसगढ़ विधानसभा में कुल 90 विधायक हैं। राज्यसभा चुनाव जीतने के लिए 31 वोट जरूरी होते हैं। बीजेपी के पास 54 विधायक हैं, कांग्रेस के पास 35 और एक विधायक गोंडवाना गणतंत्र पार्टी का है। ऐसे में दोनों प्रमुख दल एक-एक सीट आसानी से जीत सकते हैं।

इस बार जिन दो सांसदों का कार्यकाल 9 अप्रैल 2026 को खत्म हो रहा है, वे कांग्रेस की फूलोदेवी नेताम और केटीएस तुलसी हैं। कांग्रेस ने अभी तक अपने उम्मीदवार का ऐलान नहीं किया है। फिलहाल राज्य से राज्यसभा में कुल पांच सदस्य हैं। राजीव शुक्ला और रंजीत रंजन का कार्यकाल 2028 तक है, जबकि भाजपा के देवेन्द्र प्रताप सिंह 2030 तक सदस्य बने रहेंगे।

नोटिफिकेशन 26 फरवरी 2026 को जारी हुआ। नामांकन की आखिरी तारीख 5 मार्च है। 6 मार्च को जांच होगी और 9 मार्च तक नाम वापसी की जा सकेगी। मतदान 16 मार्च को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक होगा और उसी दिन शाम 5 बजे मतगणना होगी। पूरी प्रक्रिया 20 मार्च 2026 तक पूरी कर ली जाएगी।

विश्व कप 2026 की उलटी गिनती: ईरान युद्ध और मैक्सिको में हिंसा से उत्पन्न चुनौतियाँ

(जीएनएस)।

विश्व कप में 100 दिन शेष रहने के साथ, ईरान से जुड़ा मौजूदा संघर्ष, संयुक्त राज्य अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित टूनार्मेंट के लिए अतिरिक्त चुनौतियाँ लेकर आया है। आयोजक पहले से ही मैक्सिको में कार्टेल हिंसा, अमेरिका में कम हुए प्रशंसक उत्सव योजनाओं और उच्च टिकट कीमतों को लेकर आलोचना से जूझ रहे हैं। योग्य टीमों के अधिकारी इस सप्ताह अटलांटा में फीफा प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर रहे हैं। टूनार्मेंट 11 जून को मैक्सिको सिटी में मैक्सिको और दक्षिण अफ्रीका के बीच मुकाबले के साथ शुरू होने वाला है। यह विश्व कप अब तक का सबसे बड़ा होगा, जिसमें 48 टीमें हिस्सा लेंगी, जो कतर में भाग लेने वाली 32 टीमों से अधिक है।

विश्व कप 2026 के सामने नई चुनौतियां हैं

अंतर्राष्ट्रीय राजनीति अक्सर विश्व कप जैसे वैश्विक खेल आयोजनों को धूमिल कर देती है, खासकर मैचों से पहले। 2022 में, कतर को प्रवासी श्रमिकों और छक्ष्ढ्ढळद+ अधिकारों के साथ इलाज को लेकर जांच का सामना करना पड़ा। रूस के 2018 के टूनार्मेंट को क्रीमिया के विलय और ब्रिटेन में जासूसी विषाक्तता जैसी घटनाओं ने चिह्नित किया। 2014 में ब्राजील और 2010 में दक्षिण अफ्रीका ने अपराध और सुरक्षा चिंताओं का सामना किया। 2026 का टूनार्मेंट अमेरिका और भाग लेने वाले देशों के बीच राजनीतिक तनाव के खिलाफ आयोजित किया गया है, जिनमें से कई टैरिफ या यात्रा प्रतिबंधों का सामना करते हैं।

विश्व कप में ईरान की स्थिति स्पष्ट नहीं है

ईरान को इंग्लेवुड, कैलिफोर्निया में दो ग्रुप स्टेज मैच और सिएटल में एक मैच खेलने का कार्यक्रम है। हालाँकि, इस बात को लेकर

अनिश्चितता बनी हुई है कि ईरानी टीम भाग लेगी या नहीं, क्योंकि हाल ही में अमेरिकी और इजराइल की सैन्य कार्रवाइयों के परिणामस्वरूप सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनी और अन्य अधिकारियों की मौत हो गई। इन तनावों के बावजूद, ईरान ने टूनार्मेंट से हटने की घोषणा नहीं की है। ईरान को बेल्जियम, मिस्र और न्यूजीलैंड के साथ ग्रुप में रखा गया है।

प्रशंसक उत्सवों को छोटा किया जा रहा है

पूरी दुनिया में प्रशंसक उत्सव दो दशकों से विश्व कप के अनुभव का अभिन्न अंग रहे हैं, जो टिकट के बिना प्रशंसकों को बड़ी स्क्रीन पर मैच का आनंद लेने की अनुमति देते हैं। हालाँकि, कुछ अमेरिकी योजनाओं को छोटा किया जा रहा है। न्यूयॉर्क/न्यू जर्सी ने अपने फैन फेस्ट को रद्द कर दिया, जबकि हर टूनार्मेंट दिवस के लिए एक कार्यक्रम के लिए टिकट बेच रहा था। सिएटल ने अपने उत्सव के आकार को कम कर दिया और बोस्टन ने अपने कार्यक्रम को 16 दिनों तक छोटा कर दिया। मियामी की मेजबानी समिति अपना कार्यक्रम रद्द कर सकती है यदि जल्द ही संघीय धन सुरक्षित नहीं किया गया।

फॉक्सबोरो गेम्स को खतरा

मैसाचुसेट्स के फॉक्सबोरो में न्यू इंग्लैंड पैट्रियट्स स्टेडियम 13 जून को हैती-स्कॉटलैंड से शुरू होकर 9 जुलाई को क्वार्टर फाइनल के साथ समाप्त होने वाले सात विश्व कप मैचों की मेजबानी करने वाला है। हालाँकि, फॉक्सबोरो के सिलेक्ट बोर्ड ने 17 मार्च तक पुलिस और अन्य खर्चों के लिए वरऊ 7.8 मिलियन का भुगतान करने तक परमिट जारी करने से इनकार कर दिया है। शहर का दावा है कि उसे बोस्टन के साथ फीफा के मेजबानी समझौते में शामिल नहीं किया गया था।

फीफा की टिकट कीमतों के खिलाफ विरोध

फीफा के पास विश्व कप मैचों के लिए लगभग 7 मिलियन सीटें उपलब्ध हैं, लेकिन पिछले महीने 500 मिलियन टिकट अनुरोध प्राप्त हुए। फीफा अध्यक्ष गियानी इन्फेंटिनो द्वारा बिक जाने के दावों के बावजूद, कुछ प्रशंसकों को एक अतिरिक्त 48 घंटे की टिकट बिक्री विंडो की पेशकश करने वाले ईमेल मिले। दिसंबर में टिकट की कीमतें वरऊ 8,680 तक पहुँच गईं। आलोचना के बाद, फीफा वफादार प्रशंसकों के बीच वितरण के लिए राष्ट्रीय संघों को प्रति गेम सीमित संख्या में वरऊ 60 के टिकट प्रदान करेगा।

मैक्सिको में कार्टेल हिंसा

एक कार्टेल नेता को सेना द्वारा मारे जाने के बाद हाल ही में जालिस्को में हुई हिंसा के बाद एक सह-मेजबान के रूप में मैक्सिको की क्षमता की जांच की जा रही है। जालिस्को की राजधानी गुआडालाजारा, चार ग्रुप स्टेज मैचों की मेजबानी करने वाली है। इन चिंताओं के बावजूद, मैक्सिकन अधिकारी आश्वासन देते हैं कि विश्व कप बिना किसी समस्या के आगे बढ़ेगा। राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाउम ने कहा कि टूनार्मेंट में भाग लेने वाले प्रशंसकों के लिए कोई खतरा नहीं है। फीफा अध्यक्ष इन्फेंटिनो ने मेजबान के रूप में मैक्सिको में विश्वास व्यक्त किया।

15,500 से ज्यादा फूलों के बीच सीएम रेखा गुप्ता ने किया 'फ्लावर फेस्टिवल' का आगाज

दिल्ली के दिल कनॉट प्लेस का सेंट्रल पार्क इन दिनों रंगों और खुशबू से सराबोर है। राजधानी की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को नई दिल्ली नगरपालिका परिषद द्वारा आयोजित चार दिवसीय 'फ्लावर फेस्टिवल 2026' का उद्घाटन किया। इस मौके पर एनडीएमसी के अध्यक्ष केशव चंद्र, उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल और कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि देश की राजधानी होने के नाते दिल्ली को स्वच्छ, हरित और आकर्षक बनाना हम सबकी साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पहले लोग ट्यूलिप देखने कश्मीर जाया करते थे, लेकिन अब एनडीएमसी की मेहनत से वही खूबसूरती दिल्ली में देखने को मिल रही है। उन्होंने इसे 'सेल्फी फेस्टिवल' बताते हुए कहा कि यह आयोजन नागरिकों के लिए बड़ा आकर्षण बन चुका है।

फाल्गुन में रंगों और खुशबू की बहार

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि

फाल्गुन के महीने में आयोजित यह उत्सव राजधानी को रंगों और सुगंध से भर रहा है। उन्होंने एनडीएमसी के बागवानी विभाग के माली और अधिकारियों की सराहना करते हुए कहा कि उनकी मेहनत ने सेंट्रल पार्क को फूलों की दुनिया में बदल दिया है। उन्होंने अन्य विभागों से भी ऐसे प्रयासों से प्रेरणा लेने की अपील की, ताकि दिल्ली की सुंदरता और बढ़ सके।

18 थीम सेक्शन में 48 किस्मों के 15,500 से अधिक पौधे

फेस्टिवल में 18 अलग-अलग थीम आधारित सेक्शन तैयार किए गए हैं, जहां 48 प्रजातियों के 15,500 से ज्यादा गमले प्रदर्शित किए गए हैं। डहलिया, पेटूनिया, पैंसी, साल्विया और गेंदा जैसे मौसमी फूल खास आकर्षण का केंद्र हैं।

यहां ट्रे गार्डन, लैंडस्केप गार्डन, बड़े हैंगिंग बास्केट, टेरारियम, पूर्वी और पश्चिमी शैली की पुष्प सज्जाएं, जिनमें इकेबाना भी शामिल है, देखने को मिल रही हैं। जानवरों और पक्षियों के आकार में तैयार फ्लोरल फिगर, रंग-बिरंगे बोर्ड और पिरामिड, दिल, शंकु और बेलनाकार संरचनाएं खास तौर पर सेल्फी पॉइंट के रूप में विकसित की गई हैं।

यह उत्सव 3 मार्च से 6 मार्च 2026 तक आम जनता के लिए खुला रहेगा और प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क है। यहां नर्सरी पौधे, बोनसाई, कैक्टस और सक्यूलेंट, हर्बल पौधे, हाइड्रोपोनिक सिस्टम, गार्डनिंग टूल्स, बीज, गमले, खाद और सजावटी सामग्री की बिक्री के लिए भी स्टॉल लगाए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने दिल्लीवासियों से परिवार के साथ फेस्टिवल में आने और राजधानी को स्वच्छ, हरा-भरा और सुंदर बनाए रखने के सामूहिक संकल्प में शामिल होने की अपील की। सेंट्रल पार्क में खिले इन फूलों के बीच दिल्ली सचमुच एक नई खुशबू के साथ मुस्कुरा रही है।

बिना मैच खेले ही बाहर हो सकती है टीम इंडिया? टूटेगा करोड़ों फैंस का दिल! आईसीसी ने बढ़ाई टेंशन

(जीएनएस)।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 अब सेमीफाइनल की दौड़ में पहुंच चुका है। टूनार्मेंट की चार सबसे मजबूत टीमें भारत, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुकी हैं। सेमीफाइनल मैच से पहले मुंबई और कोलकाता के मौसम को लेकर चिंताएं भी बनी हुई हैं। नॉकआउट मुकाबलों में अगर बारिश खेल बिगाड़ती है, तो फाइनल का टिकट किसे मिलेगा?

क्या सेमीफाइनल के लिए रखा गया है रिजर्व डे

इसके लिए आईसीसी (ICC) के नियम बेहद स्पष्ट हैं, जो सुपर-8 के प्रदर्शन को आधार बनाते हैं। आईसीसी ने दोनों सेमीफाइनल मुकाबलों के लिए 'रिजर्व डे' का प्रबंध किया है। नियमानुसार, यदि मैच वाले दिन (5 मार्च को भारत बनाम इंग्लैंड और 4 मार्च को दक्षिण अफ्रीका बनाम न्यूजीलैंड) खराब मौसम के कारण खेल पूरा नहीं हो पाता है, तो अगले

दिन वहीं से मैच शुरू किया जाएगा जहां वह रुका था।

भारत-इंग्लैंड मैच पर रहेगी नजर

ग्रुप स्टेज के विपरीत नॉकआउट मैचों में परिणाम निकालने के लिए दोनों पारियों में कम से कम 10-10 ओवर का खेल होना अनिवार्य है। यदि रिजर्व डे पर भी भारी बारिश के कारण 10-10 ओवर का खेल संभव नहीं हो पाता, तब आईसीसी 'स्टैंडिंग्स रूल' लागू करेगी। 5 फरवरी को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में होने वाला भारत और इंग्लैंड का मुकाबला तकनीकी रूप से बेहद अहम है।

बिना खेले ही बाहर हो सकती है टीम इंडिया

आईसीसी के नियमों के मुताबिक, यदि सेमीफाइनल मैच पूरी तरह धुल जाता है और रिजर्व डे पर भी नतीजा नहीं निकलता तो वह टीम फाइनल में पहुंचेगी जिसने सुपर-8 राउंड में अपने ग्रुप में टॉप किया था। इंग्लैंड की टीम सुपर-8 के ग्रुप-2 में टॉप पर रही थी। भारतीय टीम ने ग्रुप-1 में दूसरे स्थान पर रहकर क्वालीफाई किया था। यदि यह सेमीफाइनल रद्द होता है, तो सुपर-8 में बेहतर स्थिति होने के कारण इंग्लैंड सीधे फाइनल में प्रवेश कर जाएगा और टीम इंडिया बिना खेले ही टूनार्मेंट से बाहर हो जाएगी।

यही नियम पहले सेमीफाइनल (ईडन गार्डन्स, 4 मार्च) पर भी लागू होगा। दक्षिण अफ्रीका सुपर-8 के ग्रुप-1 में टेबल टॉपर रही थी, जबकि न्यूजीलैंड ने ग्रुप-2 में दूसरे स्थान पर रहकर सेमीफाइनल का टिकट कटाया था। ऐसे में मैच रद्द होने की स्थिति में दक्षिण अफ्रीका को फाइनल का टिकट मिलेगा।

बटाईदारों को भी मिलेंगे पीएम किसान के 2000 रुपये? 22वीं किस्त से पहले समझ लें नियम

(जीएनएस)।

देश के करोड़ों अन्नदाता हर चार महीने में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की अगली किस्त का बेसब्री से इंतजार करते हैं। खेती की बढ़ती लागत, महंगे बीज और खाद के खर्च के बीच सरकार द्वारा दी जाने वाली 2-2 हजार रुपये की यह मदद छोटे और सीमांत किसानों के लिए किसी बड़े संबल से कम नहीं है।

हालांकि, ग्रामीण इलाकों में अक्सर एक बड़ा सवाल चर्चा का विषय बना रहता है कि क्या वे किसान भी इस योजना के पात्र हैं, जो अपनी जमीन के बजाय दूसरों के खेतों को 'बटाई' या पट्टे पर लेकर खेती करते हैं? चूंकि गांवों में भूमिहीन किसानों की एक बड़ी आबादी बटाई पर ही निर्भर है, इसलिए इसे लेकर अक्सर भ्रम की स्थिति बनी रहती है। आइए विस्तार से समझते हैं कि केंद्र सरकार के मौजूदा दिशा-निर्देश इस बारे में क्या कहते हैं और किन शर्तों को पूरा करने पर ही यह राशि सीधे बैंक खाते में ट्रांसफर की जाती है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना केंद्र सरकार की एक अत्यंत महत्वाकांक्षी योजना है। इसके तहत पात्र किसान परिवारों को सालाना 6,000 रुपये की आर्थिक सहायता

प्रदान की जाती है। यह राशि 2,000 रुपये की तीन समान किस्तों में सीधे किसानों के आधार-लिंक्ड बैंक खातों में भेजी जाती है। अब तक सरकार सफलतापूर्वक 21 किस्तें जारी कर चुकी है, जिससे देशभर के करोड़ों किसानों को अपनी कृषि संबंधी जरूरतों को पूरा करने में मदद मिली है।

इस योजना का लाभ लेने के लिए सरकार ने कुछ कड़े और स्पष्ट नियम तय किए हैं। सबसे महत्वपूर्ण शर्त जमीन का मालिकाना हक

राजस्व रिकॉर्डः योजना के लाभार्थियों की पहचान उनके आधिकारिक भू-राजस्व रिकॉर्ड के आधार पर की जाती है।

नाम दर्ज होना अनिवार्यः केवल वही किसान इस योजना का लाभ पाने के हकदार हैं, जिनके नाम पर राज्य के राजस्व विभाग के रिकॉर्ड में खेती योग्य भूमि दर्ज है।

अन्य औपचारिकताएंः पात्र होने के लिए किसान का बैंक खाता आधार से लिंक होना, ई-केवाईसी प्रक्रिया पूर्ण होना और भूमि का नामांतरण अपडेट होना अनिवार्य है।

बटाईदार किसानों के लिए क्या है कानूनी स्थिति?

गांवों में एक बड़ी संख्या ऐसे किसानों की है जो 'बटाई' पर खेती करते हैं। ये किसान मेहनत तो पूरी करते हैं और फसल का एक तय हिस्सा या किराया जमीन मालिक को देते हैं, लेकिन कानूनी रूप से उस जमीन के मालिक नहीं होते।

जमीन के बिना लाभ नहींः मौजूदा सरकारी नियमों के मुताबिक, जिन किसानों के पास अपनी कोई खेती योग्य जमीन नहीं है और वे पूरी तरह बटाई पर निर्भर हैं, उन्हें पीएम किसान योजना का लाभ नहीं मिलता है।

अपवाद की स्थितिः यदि कोई किसान किसी दूसरे की जमीन बटाई पर जोत रहा है, लेकिन उसके पास खुद के नाम पर भी थोड़ी-बहुत खेती योग्य जमीन दर्ज है, तो वह अपनी उस निजी जमीन के आधार पर योजना के लिए आवेदन कर सकता है।

जमीन मालिक को लाभः बटाई की स्थिति में योजना का लाभ उस व्यक्ति को मिलता है जिसके नाम पर जमीन का कागज (खतौनी) है, न कि उसे जो उस पर वास्तव में हल चला रहा है।

बिलसंडा थाने में पुलिसकर्मियों संग मनाई होली

समाज सेविका ने गुजिया खिलाकर दूर किया अपनों से दूर रहने का एहसास

(जीएनएस)।

पीलीभीत, 3 मार्च। कस्बा बिलसंडा में समाज सेविका मीना ठाकुर ने मंगलवार को होली का त्योहार थाने के पुलिसकर्मियों के साथ उत्साहपूर्वक मनाया। उन्होंने बिलसंडा थाने पहुंचकर महिला पुलिसकर्मियों को गुलाल लगाया और सभी को गुजिया, रसगुल्ले व अन्य स्वादिष्ट पकवानों से मुंह मीठा कराया।इस अवसर पर थाने के सब इंस्पेक्टर अनिल कुमार, राम औतार, राजेश कुमार, हेड मुहर्रिर, हेड कांस्टेबल, महिला कांस्टेबल सुंदरी सहित बड़ी संख्या में पुरुष व महिला पुलिसकर्मी मौजूद रहे। मीना ठाकुर ने पुलिसकर्मियों संग त्योहार की खुशियां बांटीं और अपनों से दूर रहने वाले इन सेवकों को पारिवारिक एहसास कराया।मीना ठाकुर ने बताया कि वह हर साल रमजान व होली जैसे त्योहारों पर थानों व सरकारी विभागों में जाकर अधिकारियों-कर्मचारियों के बीच गंगा-जमुनी तहजीब कायम रखती हैं। उनका उद्देश्य समाज सेवा में लगे पुलिसकर्मियों को अकेलापन महसूस न होने देना है।

पीलीभीत में हड़कंप: गजरौला के अमेड़ी नदी किनारे मृत बारासिंघा मिला, वन विभाग जांच में जुटा

(जीएनएस)।

मृत मिला बारासिंघा ।

पीलीभीत,गजरौला क्षेत्र में हटुआ बिजुलिहाई गांव के पास अमेड़ी नदी किनारे एक बारासिंघा का शव मिला है। सुबह नदी की ओर गए ग्रामीणों ने झाड़ियों के पास हिरण को मृत अवस्था में देखा। शव के आसपास कौवे मंडरा रहे थे और उसे नोच रहे थे। इस घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

बारासिंघा के शव मिलने की खबर फैलते ही गांव में चर्चा का विषय बन गई और मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। कुछ ग्रामीणों ने इस घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा किया, जिससे यह मामला तेजी से फैल गया।

स्थानीय लोगों ने बताया कि बारासिंघा एक संरक्षित वन्यजीव है, और इसकी मौत एक गंभीर विषय है। ग्रामीणों ने वन विभाग से मौके पर पहुंचकर मामले की गहन जांच करने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। डिप्टी रेंजर शेर सिंह ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि उन्हें सूचना मिल गई है। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर मामले की जांच कर रही है।

पीलीभीत नेशनल हाईवे पर 4 ट्रकों का भयंकर एक्सिडेंट: एक की मौत, 5 घायल, चौथा ट्रक 3 खड़े में जा घुसा

(जीएनएस)।

पीलीभीत,गजरौला थाना क्षेत्र में मंगलवार तड़के एक सड़क हादसा हुआ। पीलीभीत-पूरनपुर नेशनल हाईवे पर चार ट्रक आपस में टकरा गए, जिसमें एक श्रमिक की मौके पर ही मृत्यु हो गई। इस दुर्घटना में पांच अन्य लोग घायल हुए हैं।

यह घटना मंगलवार सुबह लगभग 4 बजे की है। गजरौला कला निवासी 45 वर्षीय सोमपाल पुत्र तोताराम श्रमिक था। वह भूसे की गाड़ी पर मजदूरी के लिए घर से निकला था जरा चौकी के पास स्थित पेट्रोल पंप के समीप नेशनल हाईवे पर चार ट्रक अनियंत्रित होकर आपस में टकरा गए। ट्रकों की इस टक्कर में सोमपाल चपेट में आ गया और उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। राजेंद्र सहित पांच अन्य लोग इस हादसे में घायल हुए हैं।

हादसे की सूचना मिलते ही गजरौला थाना पुलिस और जरा चौकी इंचार्ज पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को हाईवे से हटवाकर यातायात बहाल किया और सोमपाल के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरा।

थानाध्यक्ष ब्रजवीर सिंह ने बताया कि नेशनल हाईवे पर चार ट्रकों की टक्कर हुई है, जिसमें सोमपाल नामक एक व्यक्ति की मौत हो गई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है और वाहनों को कब्जे में लेकर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

सेवा संकल्प फाउंडेशन के तत्वाधान में होलिका दहन का सफल आयोजन

(जीएनएस)।

लखनऊ। सेवा संकल्प फॉउन्डेशन एवम त्रिमूर्ति वेलफेयर सोसाईटी के संयुक्त तत्वाधान में होलिका चौराहा त्रिमूर्ति नगर फवज 2 में होलिका दहन का भव्य आयोजन किया गया।

विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद मंत्रोच्चार के बीच होलिका दहन किया गया। उपस्थित लोगों ने बुराई पर अच्छाई की विजय के प्रतीक इस पर्व पर एक-दूसरे को शुभकामनाएँ दीं। महिलाओं ने परिक्रमा कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम का आयोजन सेवा संकल्प के संस्थापक एड महेन्द्र कनवाल व सदस्य रूपेश पाठक के निर्देशन में पूर्ण किया गया। आयोजन को सफल बनाने में संरक्षक त्रिलोक सिंह कनवाल व विनय मिश्रा, पी एस रावत, कमल जोशी, त्रिलोक शाही, रूपेश पाठक, सी वी रमन, संजय भारती, कृष्णा साह, तरुण प्रताप शामिल रहे तथा सजावट के कार्य में अनन्या सिंह, ईशा पाठक, वैष्णवी पाल का विशेष सहयोग मिला। कार्यक्रम में क्षेत्र के अन्य गणमान्य व्यक्ति तथा बड़ी संख्या में नागरिकों, महिलाओं एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन में स्थानीय चौकी प्रभारी धर्मेंद्र यादव व उनकी समस्त टीम का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के दौरान सामाजिक समरसता, स्वच्छता एवं आपसी भाईचारे का संदेश भी दिया गया। आयोजन समिति ने सभी से शांति एवं सौहार्द बनाए रखते हुए होली मनाने की अपील की कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ और अंत में उपस्थित जनसमूह ने मिलकर देश की उन्नति एवं क्षेत्र की खुशहाली की प्रार्थना की।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ह्लआर्थिक विकास बरकरार रखने और मजबूत करनेह्व के विषय पर बजट के बाद आयोजित वेबिनार को संबोधित किया

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज बजट वेबिनार श्रृंखला के द्वितीय सत्र को संबोधित किया जिसका मुख्य विषय "आर्थिक विकास बरकरार रखना और मजबूत करना" था। प्रधानमंत्री ने पिछले सप्ताह की प्रगति पर विचार करते हुए कहा कि पहला वेबिनार अत्यंत सफल रहा और बजट प्रावधानों के कार्यान्वयन के संबंध में उत्कृष्ट सुझाव प्राप्त हुए।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि वर्तमान वेबिनार देश की आर्थिक वृद्धि को निरंतर मजबूती प्रदान करने के मुद्दे से सहज रूप से जुड़ा हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के पुनर्गठन के साथ भारत की सुदृढ़ अर्थव्यवस्था विश्व के लिए आशा की किरण बन गई है। श्री मोदी ने कहा, "अर्थव्यवस्था की तीव्र प्रगति 'विकसित भारत' की मजबूत नींव है।"

प्रधानमंत्री ने सरकार के स्पष्ट दृष्टिकोण और दृढ़ संकल्प की पुष्टि करते हुए "अधिक निर्माण करो, अधिक उत्पादन करो, अधिक संपर्क स्थापित करो और अधिक निर्यात करो" के मूल मंत्रों को दोहराया। प्रधानमंत्री ने कहा, "निश्चित रूप से, आज आप लोगों के बीच होने वाली चर्चाएं और उनसे निकलने वाले सुझाव महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।"

प्रधानमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों के बीच तालमेल के संबंध में बोलते हुए यह स्पष्ट किया कि विनिर्माण, संचालन व्यवस्था, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) और शहरी केंद्र अलग-अलग इकाइयां नहीं हैं बल्कि एक ही आर्थिक संरचना के परस्पर जुड़े हुए स्तंभ हैं। उन्होंने विस्तार से बताया कि किस प्रकार विनिर्माण निर्यात को बढ़ावा देता है जबकि प्रतिस्पर्धी एमएसएमई लचीलेपन और नवाचार को प्रोत्साहित करते हैं। श्री मोदी ने कहा, "इस वर्ष के बजट ने इन सभी स्तंभों को बहुत मजबूती प्रदान की है।"

प्रधानमंत्री ने कहा कि उद्योग, वित्तीय संस्थानों और राज्य सरकारों की सक्रिय भागीदारी के बिना केवल नीतिगत दिशा-निर्देशों से ही परिणाम प्राप्त नहीं होंगे। उन्होंने हितधारकों से विनिर्माण और उत्पादन बढ़ाने तथा लागत संरचना को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने पर चर्चा को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। श्री मोदी ने कहा, "इन दिशाओं में आपके सुझाव विकास को देश के हर कोने तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।"

प्रधानमंत्री ने विनिर्माण क्षेत्र में प्रमुख क्षमताओं को मजबूत करने और मौजूदा बाधाओं को दूर करने के लिए सरकार के प्रयासों का उल्लेख किया। श्री मोदी ने जोर देते हुए कहा, "दुर्लभ खनिज तत्वों के लिए समर्पित रेयर अर्थ कॉरिडोर और कंटेनर विनिर्माण जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने का उद्देश्य व्यापार के लिए अनुकूल परिवेश को मजबूत करना है।"

प्रधानमंत्री ने बजट में घोषित 'बायोफार्मा शक्ति मिशन' का भी उल्लेख किया जिसका उद्देश्य भारत को जैविक औषधियों और अगली पीढ़ी की उपचार प्रणालियों के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करना है। श्री मोदी ने कहा, "हम उन्नत बायोफार्मा अनुसंधान और विनिर्माण में नेतृत्व की ओर बढ़ना चाहते हैं।"

प्रधानमंत्री ने वैश्विक परिस्थितियों में हो रहे बदलावों के संदर्भ में कहा कि दुनिया विश्वसनीय और मजबूत विनिर्माण साझेदारों की तलाश में है। उन्होंने हितधारकों से आत्मविश्वास के साथ निवेश करने, अत्याधुनिक तकनीक अपनाने, अनुसंधान में महत्वपूर्ण रूप से निवेश करने और गुणवत्ता के वैश्विक मानकों को बनाए रखने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने बल देते हुए कहा, "भारत के पास अवसर है कि वह इस भूमिका को मजबूती से निभाए।"

प्रधानमंत्री ने मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर बोलते हुए कहा कि इन समझौतों ने अवसरों के विशाल द्वार खोल दिए हैं और भारतीय उद्योग पर गुणवत्ता पर जोर देने का नया उत्तरदायित्व सौंप दिया है। उन्होंने उपयोगकर्ता के अनुकूल उत्पाद बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय उपभोक्ताओं की प्राथमिकताओं और सुविधाओं का अध्ययन करने की आवश्यकता पर बल दिया। श्री मोदी ने कहा, "तभी हम मुक्त व्यापार समझौतों से उत्पन्न अवसरों का लाभ उठा पाएंगे।"

प्रधानमंत्री ने एमएसएमई क्षेत्र के संदर्भ में कहा कि हाल ही में किए गए वर्गीकरण संबंधी सुधारों ने लघु उद्यमों के विस्तार के भय को दूर कर दिया है। सरकार ऋण उपलब्धता और आधुनिक प्रौद्योगिकी हासिल करने की व्यवस्था को सुगम बनाना जारी रखे हुए है। लेकिन, उन्होंने इस बात पर बल दिया कि वास्तविक प्रभाव एमएसएमई के वैश्विक प्रतिस्पर्धा में प्रवेश करने पर निर्भर करता है। श्री मोदी ने कहा, "एमएसएमई के लिए अब अपनी उत्पादकता को और बढ़ाने, गुणवत्ता मानकों को ऊंचा करने और डिजिटल प्रक्रियाओं तथा मजबूत मूल्य श्रृंखलाओं से जुड़ने का समय है।"

प्रधानमंत्री ने बुनियादी ढांचे और संचालन तंत्र की पहचान राष्ट्रीय विकास रणनीति के मुख्य स्तंभों के रूप में की जिन्हें इस वर्ष के बजट में रिकॉर्ड पूंजीगत व्यय का समर्थन प्राप्त है। उन्होंने कुशलता के लिए आवश्यक कदमों के रूप में हाई-स्पीड रेल, बहुविध संपर्क और जहाज मरम्मत सुविधाओं के विस्तार का उल्लेख किया। उन्होंने श्रोताओं को याद दिलाया, "इस बुनियादी ढांचे का वास्तविक लाभ तभी प्राप्त होगा जब उद्योग और निवेशक अपनी रणनीतियों को तदनुसार उसके अनुरूप निर्धारित करेंगे।"

लोक सभा अध्यक्ष ने होली की पूर्व संध्या पर लोगों को शुभकामनाएं दीं

(जीएनएस)।

लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने होली की पूर्व संध्या पर लोगों को शुभकामनाएं दी हैं। श्री बिरला ने अपने संदेश में कहा है:

"रंग, उमंग और आपसी सद्भाव के पर्व होली की सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ।

रंगों का यह त्योहार हमारी समृद्ध संस्कृति, परंपरा और सामाजिक भाईचारे की जीवंत अभिव्यक्ति है। होली हमें याद दिलाती है कि जीवन में चाहे कितनी भी कठिनाइयाँ क्यों न आएँ, प्रेम, विश्वास और सकारात्मकता के रंग हर अंधकार को दूर कर सकते हैं। जब हम एक-दूसरे को रंग लगाते हैं, तो हम भेदभाव की दीवारों को तोड़कर समानता और एकता का संदेश देते हैं। यही हमारे राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति है।

हमारा देश विविधताओं से भरा हुआ है। लेकिन होली का उत्सव हमें एकता और बंधुता के सूत्र में बाँधता है।

होली के शुभ अवसर पर लोगों को नकली ऐप से ठगी करने वाले जालसाजों ने जाल फैलाया

(जीएनएस)।

लखनऊ। आजकल साइबर अपराधी त्योहारों, जैसे होली के शुभ अवसर पर लोगों को ठगने के लिए नकली ऐप फाइलें भेजते हैं। किसी अनजान नंबर से व्हाट्सएप या एसएमएस के माध्यम से एक लिंक, फोटो या ह्लस्पेशल ऑफरह्व का मैसेज आता है। यदि हम गलती से उस लिंक पर क्लिक कर देते हैं और ऐप इंस्टॉल कर लेते हैं, तो वह फाइल अक्सर एक खतरनाक मैलवेयर साबित होती है।

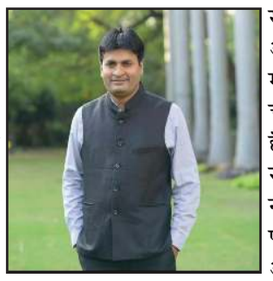

ऐसा ऐप इंस्टॉल होते ही हैकर आपके मोबाइल का रिमोट एक्सेस हासिल कर सकता है। इसके बाद आपके जीमेल, व्हाट्सएप, एसएमएस और अन्य निजी जानकारी तक उसकी पहुँच हो जाती है। यदि आप मोबाइल बैंकिंग, पेटीएम या गूगल पे जैसे ऐप्स का उपयोग करते हैं तो वह ओटीपी पढ़कर आपके बैंक खाते से पैसा किसी अन्य खाते में ट्रांसफर कर सकता है। साथ ही आपके फोन में मौजूद महत्वपूर्ण डेटा भी चोरी किया जा सकता है। इसलिए सावधान रहें। किसी भी अनजान नंबर से आए लिंक, फोटो या ह्लुभावने ऑफरह्व पर क्लिक न करें। कोई भी बैंक या सरकारी संस्था व्हाट्सएप पर ऐप भेजकर इंस्टॉल करने के लिए नहीं कहती। किसी अनधिकृत व्यक्ति के कहने पर किसी वेबसाइट से ऐप डाउनलोड न करें। त्योहारों के समय साइबर अपराधी अधिक सक्रिय रहते हैं, इसलिए जागरूक रहना ही सुरक्षा है।

संदिग्ध ऐप तुरंत अनइनस्टॉल करें

अननोन सोर्स बंद रखें फोन अपडेट रखें 1930 साइबर क्राइम हेल्पलाइन भारत पर शिकायत करें आप सभी को होली की हार्दिक शुभकामनाएँ सुरक्षित रहें, सतर्क रहें।

होली की 'दहलीज' पर मानवता का संकल्प 'ट्री मैन' की अनूठी पहल

(जीएनएस)।

आगरा। आज दिनांक 03 मार्च को शहीद स्मारक पर एक अभियान आयोजित किया कि रंगों का त्योहार होली अब दहलीज पर है। चारों ओर उत्साह का माहौल है, लेकिन इस उल्लास के बीच आगरा के 'ट्री मैन' त्रिमोहन मिश्रा और जागरूक युवाओं ने समाज को एक अत्यंत गंभीर और मानवीय संदेश दिया है। इस बार की होली केवल हुड़दंग नहीं, बल्कि "संस्कार और संवेदनशीलता" का संगम बनेगी। आज से शुरू हो रही इस विशेष मुहिम का मूल मंत्रः "रंगों की मस्ती में न भूलें, कुदरत का उपहार, बचाएँ पानी, रोपें पौधे, यही सच्चा संस्कार, न रंगे बेजुबानों को, पुराने कपड़ों से दें जीवों को बिछावन, प्रकृति संग मनाएँ होली, तभी खुशियाँ मिलेंगी अपार।" मुहिम 'ईको-फ्रेंडली' और जीव-हितैषी' होली इस अभियान के तहत युवाओं की टोली समाज में संकल्पों को प्रसारित कर रही है जल ही जीवन है 'सूखी होली' या 'तिलक की होली' खेलकर हजारों लीटर पानी बचाने का आह्वान। हर नागरिक इस होली पर एक पौधा रोपकर पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाए। इस खास मौके पर शाहिद स्मारक पर पेड़ लगाकर लोगों को एक विशाल संदेश दिया और कहा सड़क पर विचरण करने वाले स्वान और अन्य मूक प्राणियों पर रासायनिक रंग न डालें। रसायनों में मौजूद लेड और मरकरी उनकी कोमल त्वचा को जला सकते हैं और आँखों की रोशनी भी छीन सकते हैं पुराने कपड़ों का सदुपयोग होली के पुराने और फालतू कपड़ों को फेंकने के बजाय उन्हें बेजुबान जीवों के लिए 'बिछावन' के रूप में इस्तेमाल करें, ताकि उन्हें बैठने और सोने के लिए आरामदायक स्थान मिल सके क्यों है यह मुहिम जरूरी? त्रिमोहन मिश्रा (ट्री मैन) के अनुसार, त्योहार का अर्थ खुशियाँ बाँटना है, पीड़ा देना नहीं। जानवर स्वभाव से अपने शरीर को चाटकर साफ करते हैं, ऐसे में बालों पर जमा केमिकल उनके पेट में जाकर लिवर और किडनी फेलियर का कारण बनता है। हमारी 'क्षण भर की मस्ती' किसी स्वान या पक्षी के लिए जानलेवा साबित न हो, यही इस मुहिम का उद्देश्य है। आप सभी से हमारा आह्वान होली की इस दहलीज पर खड़े होकर आइए हम संकल्प लें कि हम केवल रंग ही नहीं, बल्कि इंसानियत भी फैलाएंगे। प्रकृति और बेजुबानों के साथ मिलकर मनाई गई होली ही वास्तविक आनंद देगी। इस मौके पर ट्री मैन त्रिमोहन मिश्रा के साथ गणेश शर्मा, अशोक अग्रवाल, सागर, आकाश, राजा, संतोष, अखिल और अन्य प्रकृति प्रेमी मौजूद रहे।

बहरीन में ईरान-इजरायल-अमेरिका युद्ध के कारण फंसे जितेंद्र गंगवार की पत्नी ने सांसद जितिन प्रसाद से की सुरक्षित वापसी की गुहार

(जीएनएस)।

पीलीभीत जिले के बीसलपुर कस्बे के मोहल्ला पटेल नगर निवासी जितेंद्र कुमार गंगवार पुत्र श्री जयपाल गंगवार बहरीन में प्राइवेट नौकरी करने गए थे। ईरान-इजरायल-अमेरिका युद्ध के कारण वे वहां फंस गए हैं और डरे हुए हैं। जितेंद्र ने अपने परिजनों को बहरीन के बिगड़ते हालात बताए हैं।परेशान जितेंद्र की पत्नी श्रीमती रितु शिवांगी ने अपने पति की सकुशल वापसी के लिए अपने सांसद एवं केंद्रीय राज्य मंत्री श्री जितिन प्रसाद को पत्र लिखा है। उन्होंने किसान नेता देव स्वरूप पटेल के माध्यम से व्हाट्सएप पर यह प्रार्थना पत्र भेजकर पूरी परेशानी से अवगत कराया।किसान नेता एवं प्रांतीय संरक्षक क्रांतिकारी विचार मंच उत्तर प्रदेश देव स्वरूप पटेल ने बताया कि श्रीमती रितु शिवांगी ने माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री श्री जितिन प्रसाद के नाम संबोधित प्रार्थना पत्र उनके व्हाट्सएप पर भेजा था। इसे अविलंब श्री जितिन प्रसाद जी को व्हाट्सएप के माध्यम से भेज दिया गया है। पटेल ने विश्वास जताया कि बहरीन में युद्धग्रस्त स्थिति के कारण फंसे जितेंद्र कुमार गंगवार की वतन वापसी के लिए जो भी संभव प्रयास हैं, वह माननीय मंत्री जी अवश्य करेंगे।परिजन जितेंद्र की सुरक्षित वापसी की प्रतीक्षा में हैं।

पीलीभीतः होली की पूर्व संध्या पर एसपी सुकीर्ति माधव का फ्लैग मार्च, शांति व्यवस्था मजबूत करने को सख्त निर्देश

(जीएनएस)।

पीलीभीत, होली पर्व को सकुशल और शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक पीलीभीत सुकीर्ति माधव ने नगर क्षेत्र में व्यापक फ्लैग मार्च का आयोजन किया। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक विक्रम दहिया, क्षेत्राधिकारी नगर दीपक चतुर्वेदी तथा थाना सुनगढ़ी व कोतवाली के पुलिस बल के साथ प्रमुख चौराहों, बाजारों और संवेदनशील स्थलों पर भ्रमण किया गया। फ्लैग मार्च से न केवल शांति-व्यवस्था का जायजा लिया गया, बल्कि आमजन में सुरक्षा का भरोसा भी जगाया गया।मार्च के दौरान एसपी ने संबंधित अधिकारियों को विस्तृत निर्देश दिए। उन्होंने संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखने, मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में पुलिसकर्मियों की लगातार गश्त सुनिश्चित करने और पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती पर जोर दिया। त्यौहार के दौरान किसी भी प्रकार की अराजकता, हुड़दंग, जबरन रंग डालने, नशे की हालत में वाहन संचालन तथा डीजे या ध्वनि प्रदूषण संबंधी नियमों के उल्लंघन पर कठोरतम कार्रवाई के स्पष्ट आदेश जारी किए। इसके अलावा, सोशल मीडिया पर अफवाहें फैलाने वालों के विरुद्ध सख्त विधिक कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए गए, ताकि कोई विघ्न न पहुँचे।फ्लैग मार्च के क्रम में एसपी ने स्थानीय व्यापारियों और आमजन से सीधा संवाद स्थापित किया। उन्होंने भाईचारे, सौहार्द और उल्लासपूर्ण वातावरण में होली मनाने की भावुक अपील की। साथ ही, किसी भी संदिग्ध गतिविधि या असामान्य स्थिति की सूचना तत्काल